

MASTER OF ARTS (SOCIOLOGY)

Term-End Examination

MSO-004 : SOCIOLOGY IN INDIA

Time : 3 Hours]

[Maximum : Marks : 100

Note: Answer any five of the following questions in about 500 words each. Answer at least two questions from each section. All questions carry equal marks.

Section-I

1. Explain the various approaches used by the Westerners in studying Indian society and culture in the colonial period. 20
2. Discuss the historical roots of sociology in India. 20
3. Explain the significance of village studies in the growth of sociology as an academic discipline in India. 20



4. 'The field view of caste system differs from 'to book view'. Discuss. 20
5. Discuss the sociological understanding of caste system in India. 20

Section-II

6. Elucidate the interrelationship between the mixed economy and commons in India. 20
7. Write a short historical account of tribal protests in pre-independent India. 20
8. Discuss the various facts of social differentiation among the tribes in India. 20
9. Analyse the interrelationship between religion and politics in India. 20
10. Explain the changing facts of collective mobilisation in contemporary India. 20

—X—

एम.ए. (समाजशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

एम.एस.ओ.-004 : भारत में समाजशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट: किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक भाग से कम से कम किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I

1. औपनिवेशिक काल में भारतीय समाज और संस्कृति का अध्ययन करने में, पश्चिम में विद्वानों द्वारा प्रयुक्त विविध दृष्टिकोणों का वर्णन कीजिये। 20
2. भारत में समाजशास्त्र के ऐतिहासिक जड़ों की चर्चा कीजिये। 20
3. भारत में एक शैक्षणिक संकाय के रूप में समाजशास्त्र के विकास में ग्राम अध्ययनों के महत्व की चर्चा कीजिये। 20
4. 'जाति व्यवस्था का जमीनी हकीकत (फील्ड-व्यू), इसके पुस्तकीय ज्ञान (बुक-व्यू) से भिन्न है।' चर्चा कीजिये। 20

5. भारत में जाति व्यवस्था की समाजशास्त्रीय समझ की चर्चा कीजिये। 20

भाग-II

6. भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था और कॉमन्स (जनसमूह) के अंतः सम्बंध पर प्रकाश डालिये। 20
7. भारत के पूर्व-स्वतंत्रता काल में जनजातीय आन्दोलनों का संक्षेप में ऐतिहासिक ब्यौरा दीजिये। 20
8. भारत की जनजातियों में सामाजिक विभेदन के विविध पहलुओं की चर्चा कीजिये। 20
9. भारत में धर्म और राजनीति के अंतः संबंध का विश्लेषण कीजिये। 20
10. समकालीन भारत में सामूहिक गतिशीलता के बदलते पहलुओं का वर्णन कीजिये। 20

—x—